



माँ शैलपुत्री आरती



शैलपुत्री मां बैल असवार।
करें देवता जय जयकार।
शिव शंकर की प्रिय भवानी।
तेरी महिमा किसी ने ना जानी॥

पार्वती तू उमा कहलावे।
जो तुझे सिमरे सो सुख पावे।
ऋद्धि-सिद्धि परवान करे तू।
दया करे धनवान करे तू॥

सोमवार को शिव संग प्यारी।
आरती तेरी जिसने उतारी।
उसकी सगरी आस पुजा दो।
सगरे दुख तकलीफ मिला दो॥

घी का सुंदर दीप जला के।
गोला गरी का भोग लगा के।
श्रद्धा भाव से मंत्र गाएं।
प्रेम सहित फिर शीश झुकाएं॥

जय गिरिराज किशोरी अंबे।
शिव मुख चंद्र चकोरी अंबे।
मनोकामना पूर्ण कर दो।
भक्त सदा सुख संपत्ति भर दो॥

सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सएप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏛️, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍵, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🎉, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सएप ग्रुप](#)

[व्हाट्सएप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)